संवाद न्यूज

संवाद न्यूज एजेंसी

ऋषिकेश। आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के तहत लागू आयुष्मान भारत हेल्थ एकाउंट आभा क्यूआर कोड आधारित स्कैन एंड शेयर प्रणाली एम्स में मरीजों के लिए काफी राहत प्रदान कर रही है। करीब साढ़े तीन साल पहले लागू हुई इस सुविधा से एम्स में अब तक 8 लाख से अधिक मरीज लाभान्वित हो चुके हैं।

एम्स में मरीजों की बढ़ती संख्या को देखते हुए यह व्यवस्था 26 नवंबर 2022 से शुरू की गई थी, जिससे ऋषिकेश एम्स उत्तराखंड का पहला ऐसा सरकारी चिकित्सा संस्थान बना, जहां ओपीडी पंजीकरण के लिए यह डिजिटल प्रणाली लागू की गई। योजना के तहत अब तक 2,633 हेल्थ प्रोफेशनल्स का पंजीकरण और 8.44 लाख से अधिक स्वास्थ्य रिकॉर्ड डिजिटल रूप से लिंक किए जा चुके हैं। संस्थान की कार्यकारी निदेशक एवं सीईओ प्रो. मीनू सिंह ने इस उपलब्धि पर एबीडीएम टीम की सराहना की।

08
लाख से अधिक मरीज लाभान्वित

निदेशक एम्स ने इसे जन-जन के स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण कदम बताया। उन्होंने बताया कि एम्स संस्थान में आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत अब तक उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश समेत देशभर के लगभग दो दर्जन राज्यों के मरीजों को चिकित्सा लाभ दिया जा चुका है।

आयुष्मान भारत योजना से लाभान्वित 1.83 लाख मरीज

एम्स को आयुष्मान भारत योजना में सर्वाधिक मरीजों के उपचार के लिए उत्तराखंड राज्य में प्रथम पुरस्कार मिल चुका है। अस्पताल में आयुष्मान भारत योजना के नोडल ऑफिसर प्रोफेसर मोहित ढींगरा ने बताया कि एम्स में अब तक आयुष्मान भारत योजना के तहत 1,83,121 मरीज अक्तूबर-2018 से 31 मार्च-2026 तक निशुल्क उपचार प्राप्त कर चुके हैं। यह आंकड़ा राज्य में स्थापित राजकीय स्वास्थ्य संस्थानों में सर्वाधिक है।

आभा के प्रमुख फायदे

- क्यूआर कोड स्कैन कर तुरंत ओपीडी पंजीकरण
- मोबाइल में सुरक्षित स्वास्थ्य रिकॉर्ड
- कागजी दस्तावेजों की आवश्यकता समाप्त
- भविष्य में क्यूआर से बिल भुगतान की सुविधा प्रस्तावित

ऐसे करें आभा पंजीकरण

एम्स ऋषिकेश में ओपीडी में स्वास्थ्य परीक्षण कराने वाले मरीज अस्पताल के सार्वजनिक प्रवेश द्वार गेट नंबर-3 व ओपीडी रजिस्ट्रेशन क्षेत्र में लगे क्यूआर कोड को स्कैन कर मोबाइल पर टोकन नंबर प्राप्त करते हैं। टोकन दिखाकर काउंटर से आसानी से पर्चा बनवाया जा सकता है। योजना के समन्वयक कमल जुयाल के मुताबिक इस पूरी प्रक्रिया में सेवा वीरों का सहयोग मरीजों को त्वरित सुविधा प्रदान कर रहा है।

हिन्दुस्तान

'आभा' दिला रही ओपीडी लाइनों से राहत

ऋषिकेश, वरिष्ठ संवाददाता। आयुष्मान भारत हेल्थ एकाउंट आभा क्यूआर कोड आधारित स्कैन एंड शेयर प्रणाली एम्स ऋषिकेश में मरीजों के लिए बेहतर साबित हो रही है। मरीजों को अब ओपीडी पंजीकरण के लिए लंबी कतारों में खड़ा नहीं होना पड़ रहा है। साढ़े तीन वर्ष में अब तक 9 लाख से अधिक मरीज इससे लाभान्वित हो चुके हैं। यह व्यवस्था 26 नवंबर 2022 से शुरू की गई थी।

योजना के तहत अब तक 2,633 हेल्थ प्रोफेशनल्स का पंजीकरण और 8.44 लाख से अधिक स्वास्थ्य रिकॉर्ड डिजिटल रूप से लिंक किए जा चुके हैं। एम्स निदेशक प्रोफेसर मीनू सिंह ने बताया कि एम्स संस्थान में आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत अब तक उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश समेत देशभर के लगभग दो दर्जन राज्यों के मरीजों को चिकित्सा लाभ दिया जा चुका है।

आभा के प्रमुख फायदे

- क्यूआर कोड स्कैन कर तुरंत ओपीडी पंजीकरण
- मोबाइल में सुरक्षित स्वास्थ्य रिकॉर्ड
- कागजी दस्तावेजों की आवश्यकता समाप्त
- भविष्य में क्यूआर से बिल भुगतान की सुविधा प्रस्तावित

योजना से लाभान्वित हो चुके 1.83 लाख मरीज

आयुष्मान भारत योजना के नोडल ऑफिसर प्रोफेसर डॉ. मोहित ढींगरा ने बताया कि एम्स में अब तक आयुष्मान भारत योजना के तहत 1,83,121 मरीज अक्तूबर 2018 से 31 मार्च-2026 तक निशुल्क उपचार प्राप्त कर चुके हैं। एम्स में अब तक हेल्प डेस्क के माध्यम से 6,487 मरीजों के आयुष्मान कार्ड बनाए गए हैं। इसके अलावा अस्पताल में लागू गोल्डन कार्ड-एसजीएचएस के अंतर्गत अब तक 5,935 भर्ती मरीजों का उपचार हो चुका है। जबकि 70 वर्ष से अधिक आयुवर्ग के वरिष्ठ नागरिकों की स्वास्थ्य सुविधा के लिए भारत सरकार द्वारा संचालित वय वंदना योजना के अंतर्गत अब तक 107 बुजुर्गों का उपचार किया गया है।

ऐसे करें आभा पंजीकरण : एम्स ऋषिकेश की ओपीडी में स्वास्थ्य परीक्षण कराने वाले मरीज अस्पताल के सार्वजनिक प्रवेश द्वार गेट नंबर-3 और ओपीडी रजिस्ट्रेशन क्षेत्र में लगे क्यूआर कोड को स्कैन कर मोबाइल पर टोकन नंबर प्राप्त करते हैं। टोकन दिखाकर काउंटर से आसानी से पर्चा बनवाया जा सकता है। समन्वयक कमल जुयाल के मुताबिक पूरी प्रक्रिया में सेवावीरों के सहयोग मरीजों को सुविधा मिल रही है।

दैनिक जागरण

पंजीकरण के लिए लंबी लाइन से निजात

- आभा के तहत क्यूआर कोड स्कैन कर ओपीडी पंजीकरण करा सकते हैं मरीज
- एम्स ऋषिकेश में पिछले साढ़े तीन वर्ष में नौ लाख मरीजों को मिल चुका लाभ

जागरण संवाददाता, ऋषिकेश : अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) ऋषिकेश में आयुष्मान भारत हेल्थ एकाउंट आभा (आभा) के तहत क्यूआर कोड आधारित स्कैन एंड शेयर प्रणाली मरीजों के लिए लाभकारी साबित हो रही है। इससे मरीजों को ओपीडी पंजीकरण की लंबी कतार में लगने से निजात मिल रही है। पिछले साढ़े तीन वर्ष में 9 लाख मरीज इस सुविधा का लाभ ले चुके हैं।

दरअसल, एम्स में ओपीडी सेवा का लाभ लेने के लिए बढ़ते मरीजों की संख्या के मद्देनजर 26 नवंबर 2022 को आभा के तहत यह नई व्यवस्था शुरू की गई थी। संस्थान की कार्यकारी निदेशक एवं सीईओ प्रो. डा. मीनू सिंह ने कहा कि आभा का उद्देश्य आम मरीजों को लंबी कतारों में लगने से होने वाली परेशानी से निजात दिलाना है। कहा कि एम्स संस्थान में आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत अब तक उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश समेत देशभर के लगभग दो दर्जन राज्यों के मरीजों को चिकित्सा लाभ दिया जा चुका है। आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के नोडल अधिकारी डा.भरत भूषण भारद्वाज ने बताया कि इस सुविधा में क्यूआर कोड स्कैन कर तुरंत आसानी से ओपीडी पंजीकरण कराया जा सकता है। इससे मोबाइल में स्वास्थ्य रिकार्ड सुरक्षित रहता है और कागजी दस्तावेजों की आवश्यकता समाप्त हो रही है। कहा कि भविष्य में क्यूआर से बिल भुगतान की सुविधा शुरू करना भी प्रस्तावित है।